द्वितीय ई.एम.आर.एस. राष्ट्रीय सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिता – 2019

जनजाति कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनजाति बाहुल्य प्रदेशो में एकलव्य मॉडल रेजिडेन्सियल स्कूल खोले गये जिनका संचालन जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है। जनजाति छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये अध्ययन–अध्यापन के अतिरिक्त सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढने के अवसर प्रदान करने हेतु द्वितीय राष्ट्रीय स्तर की संगीत एव नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन 28 से 30 नवम्बर, 2019 तक स्वामी विवेकानंद सभागार, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय में किया गया। जिसमें 18 राज्यों के EMRS स्कूलों के लगभग 450 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं अवसर प्रदान करने हेतु यह विशाल आयोजन जनजाति कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशों की पालना में किया गया।

जनजाति कार्य मंत्रालय द्वारा खोले गये एकलव्य मॉडल रेजिडेन्सियल स्कूल योजना का मुख्य उद्देश्य सूदूर जनजाति क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना, उनका सर्वांगीण विकास करना एवं जनजाति प्रतिभाओं को निखारने हेतु, आगे बढने के अवसर प्रदान करना है। यह भारत सरकार की ''फ्लेगशिप योजना'' है।

समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह, माननीय राज्यमंत्री, जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, श्री दीपक खाण्डेकर, सचिव, श्री सौरभ जैन, संयुक्त सचिव एवं एम. आर. शेरिंग, संयुक्त सचिव, जनजाति कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली रहे। श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार, आयुक्त जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, श्रीमती अंजली राजोरिया, अतिरिक्त आयुक्त एवं श्री रामजीवन मीणा, अतिरिक्त आयुक्त, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, उदयपुर की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। प्रत्येक राज्य के दल के साथ फोटो सेशन किया गया।

प्रतिभागियों ने अपने सांस्कृतिक कौशल का प्रर्दशन करते हुए चार क्षेत्रों में यथा एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गायन व समूह गायन में अपनी प्रभावी प्रस्तुतियां दी। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा आयोजित इस विशाल आयोजन में भाग लेने वाले

छात्र–छात्राओं को अपने प्रदेश की विभिन्न सांस्कृतिक वेश–भूषा, परम्पराओं, लोक नृत्य, गायनों की जीवंत प्रस्तुतियों से पारस्परिक आदान–प्रदान हुआ। समस्त अतिथियों का परम्परागत स्वागत किया गया, भोजन, आवास एवं यातायात की समुचित व्यवस्थाएं की गई।

प्रतियोगिता के आयोजन में राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत एवं अपनी पहचान रखने वाले, विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्रोफेसर प्रख्यात कला मर्मज्ञों जिनमें पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त वासुफुद्दीन डागर, राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत श्रीमती शंकुतला पवार, प्रोफेसर डॉ श्रृष्टि माथुर एवं अन्य नृत्यकला संगीतकला, वाद्य एवं गायन क्षेत्र के कुल 12 निर्णायकों का चयन कर पैनल बनाया गया जिनके द्वारा विद्यार्थियों की मंच पर प्रस्तुतियों का आंकलन करते हुए रेकिंग की गई

प्रतियोगिताओं में प्रत्येक क्षेत्र में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय का चयन किया गया तथा परिणाम उपरान्त समूह नृत्य में प्रथम पुरस्कार ई.एम.आर.एस. निचार, किन्नौर (हिमाचल प्रदेश), द्वितीय पुरस्कार ई.एम.आर.एस. कुम्हारघाट, उनकोटी (त्रिपुरा) एवं तृतीय पुरस्कार टीम राजस्थान एकल नृत्य में प्रथम पुरस्कार पूजा बाई मीना, ई.एम.आर.एस. मल्लाना, (अलवर), द्वितीय पुरस्कार मेजरमित लेपचा ई.एम. आर.एस. स्वयम् (सिक्किम) एवं तृतीय पुरस्कार सुरेश सोनता, ई.एम.आर.एस. पुंगर (ओडिशा) समूह गायन में प्रथम पुरस्कार ई.एम.आर.एस. तोरसिंदरी, (झारखण्ड), द्वितीय पुरस्कार ई.एम. आर.एस. गंग्यप (सिक्किम) एवं तृतीय पुरस्कार ई.एम.आर.एस. डोरनाला (आंध्रप्रदेश) एकल गायन में प्रथम पुरस्कार मनीषा मीना, ई.एम.आर.एस. निवाई, टोंक (राजस्थान), द्वितीय पुरस्कार रिंचेन ऑगमू भूटिया, ई.एम.आर.एस. गंग्यप (सिक्किम) एवं तृतीय पुरस्कार अनीपा लाकरा, ई.एम.आर.एस. कुजरा, लोहारडगा (झारखण्ड) को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया। राजस्थान को कल्चरल चैम्पियन स्टेट ऑफ 2019 से पुरस्कृत किया गया।

विजेता एवं उपविजेताओं को जनजाति कार्य मंत्रालय द्वारा प्रदत्त निर्देशों की पालना में समूह गायन एवं समूह नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागीयों को 2 लाख रू,

द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागीयों को 1.75 लाख रू तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने प्रतिभागीयों को 1.25 लाख रू की पुरस्कार राशि प्रदान की गई तथा एकल गायन एवं एकल नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 50 हजार रू, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 40 हजार रू तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने प्रतिभागियों को 30 हजार रू का पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

विभिन्न राज्यों से आने वाले प्रतिभागी दलों एवं अतिथियों को विश्व की प्रसिद्ध झीलों की नगरी के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवाया गया। राजस्थान की समृद्ध लोक परम्पराओं में से भवई नृत्य एवं डांग नृत्य के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी गई एवं छात्र–छात्राओं के मनोरंजन हेतु जादूगर की प्रस्तुति भी करवायी गई जो छात्र–छात्राओं के लिये आन्नदायक रहा।

मुख्य अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह सरूता ने अपने उद्‌बोधन में इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए बताया कि इस आयोजन की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुतिकरण का अवसर दिया जावेगा।

जनजाति क्षेत्र की लोक कला संस्कृति एवं परम्पराओं को संजोए रखने हेतु यह आयोजन परस्पर सीखने, एक दूसरे की कला को प्रोत्साहित करने, प्रतिभाओं के निखार हेतु प्रेरणास्पद एवं चिरस्थाई मधुर यादों के साथ सम्पन्न हुआ।